1. जंगली दरख्‍तों के दर्मियान

एक सेब के पेड़ के समान

नज़र आता है मुझे ऐ मसीह

सारे संतो के बीच में तू

हम्‍द करूँ तेरी ऐ प्रभु

अपने जीवन भर इस जंगल के सपफर में

गाऊं शुक्रगुजारी से मैं

2. तू ही है नरगिस खास शारोन का

हाँ तू सोसन भी वादियों का

सन्‍तो में तू है अति पवित्रा

कैसा कामिल और शान से भरा

हम्‍द करूँ....

3. ईत्रा के समान है तेरा नाम

खुशबू पफैलाता है जहान में

तंगी मुसिबत और बदनामी में

बना खुशबुदार तेरे समान

हम्‍द करूँ....

4. घबराहट के लहरो से गर

डूबूँ दुःख के सागर में

अपने जोरावर हाथ को बढा

मुझे अपने सीने से लगा

हम्‍द करूँ....

5. अभी आ रहा हूँ तेरे पास

पुरी करने को तेरी मर्जी

ताकि दे दूं मैं काम को अंजाम

पाऊँ तेरे दीदार में ईनाम

हम्‍द करूँ....